Toppersnotes
Unleash the topper in you

HARYANA - CET

संयुक्त योग्यता परीक्षा

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग

भाग – 3

हिन्दी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

HARYANA - CET

CONTENT

हिन्दी

1.	वर्ण विचार • भाषा • स्वर • व्यजन • अयोगवाह्	1
2.	शब्दकोश (शब्द क्रम निर्धारण)	5
3.	संधि	8
4.	समास	25
5.	उपसर्ग	42
6.	प्रत्यय	54
7.	संज्ञा	65
8.	सर्वनाम	70
9.	क्रिया	72
10.	वर्ण विश्लेषण	85
11.	अव्यय/अविकारी शब्द • विकारी • अविकारी • समुच्चय • संबंध बोधक • विषम बोधक एवं निपात	89
12.	काल	95
13.	कारक	98
14.	तत्सम – तद्भव	104
15.	देशज शब्द	108
16.	पद बंध	113
17.	पद परिचय	116
18.	विराम चिह्न और उनके प्रयोग	119

19.	अलंकार	122
20.	वाक्य रचना	129
21.	वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि	133
22.	हिन्दी भाषा में शब्दों का मानकीकरण	148
23.	विलोम शब्द	
24.	पर्यायवाची	
25.	मुहावरे	
26.	लोकोक्ति	
27.	एकार्थी शब्द	
28.	शब्द युग्म	
29.	अनेकार्थक शब्द	
30.	वाक्य के लिए एक शब्द	151

English

1.	Noun	157
2.	Pronoun	163
3.	Adjective	168
4.	Adverb	176
5.	Verb	184
6.	Conjunction	196
7.	Preposition	204
8.	Articles	216
9.	Time and Tense	221
10.	Voice	227
11.	Narration	236
12.	Anonyms & Synonyms	
13.	One word Substitution	
14.	Idioms & Phrases	
15.	Spelling Correction	
16.	Homonyms	
17.	Sentence Improvements	248

18.	Spotting Error	258
19.	Fill in the Blanks	269
20.	Shuffling of Sentences	279
21.	Cloze Test	285
22.	Comprehension passage	301

हिन्दी

वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम की भाषा कहते हैं।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना ।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से इकाई ध्वनि या वर्ण है ।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह् अ म् अ) है ।

लिपि –किसी भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है । हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विशेषताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता

किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है ।
जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार
(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है । हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है ।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार
(i) ह्रस्व स्वर – जिनके उच्चारण मे एक मात्रा का समय लगता है –
अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या –4)

नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – जिनके उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है – आ, ई, ऊ, ए, ऐ ओ, औ (कुल संख्या – 7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है – स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।
जैसे :– अ^3, आ^3, इ^3, ई^3, उ^3, ऊ^3, ए^3, ऐ^3, ओ^3, औ^3,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार)
(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर आती है ।

नोटः– अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।
जैसे :– अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है ।
श्बना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।
जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर :– (3 प्रकार)
(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।
जैसे – इ, ई, ए, ऐ
(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।
आ, उ, ऊ, ओ, औ

पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

मध्य – अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।
जैसे :- उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर-नीचे फैलना।
जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार
(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना।
जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत :- उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है।
(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अतः स्थ व्यंजन – (04)
(iii) उष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करने के बाद मुख से बाहर निकलती है तो वह स्पर्श व्यंजन कहलाती है।

स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –
(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ड्.
(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ड्. ढ् ढ्. ण्
(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अतः स्थ व्यंजन
जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है।

कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4
जैसे :- य् व् र् ल्

(iii) उष्म व्यंजन
जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह उष्म व्यंजन कहलाता है।

कुल उष्म व्यंजन – 4
जैसे – श् ष् स् ह्

संयुक्त व्यंजन :- इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है।
क्ष – क् + ष
त्र – त् + र
ज्ञ – ज् + ञ
श्र – श् + र

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

i. कण्ठ स्थान – 'कण्ठ्य वर्ग'
सूत्र – अकुहविसर्जनीयानां कण्ठः
अ, आ, क वर्ग (क,ख,ग,घ,ड.) ह, विसर्ग (अः)

ii. तालु स्थान – तालव्य वर्ग
सूत्र – इचुयशानां तालु
इ, ई, च वर्ग (च,छ,ज,झ,ञ) य, श

iii. मूर्धा स्थान – मूर्धन्य वर्ण
सूत्र – ऋटुरषाणां मूर्धा
ऋ,ॠ ट वर्ग (ट,ठ,ड,ड,ढ,ढ,ण) र, ष

iv. दन्त स्थान – दन्त्य वर्ण
सूत्र – लृतुलसानां दन्ता
लृ, त वर्ग (त,थ,द,ध,न) ल, स

v. ओष्ठ स्थान – ओष्ठ्य वर्ण
सूत्र – उपूपध्मानीया ना मो ष्ठौ
उ, ऊ, प वर्ग (प,फ,ब,भ,म)
उपध्मानीय वर्ण (ᳶप, ᳶफ)

vi. नासिका स्थान – नासिक्य वर्ण
सूत्र – नासिका अनुस्वारस्य (अं)
ञमङणनानां नासिका च
(ङ् ञ ण न म)

vii. दन्तोष्ठ स्थान - दन्तोष्ठ्य वर्ण
सूत्र - वकारस्य दन्तोष्ठम् - व

(2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण
मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है -
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कंपन के आधार पर - इसके आधार पर दो प्रकार के वर्ण होते है।
1) अघोष वर्ण - प्रत्येक वर्ग का पहला + दूसरा वर्ण + श,ष,स+विसर्ग
अघोष वर्ण - ट्रीक - 1,2 बजते ही उष्मा में विसर्जन का अवघोष हो जाता है। प्रत्येक वर्ग का पहला, दूसरा वर्ण, उष्म वर्ण (श,ष,स) विसर्ग
2) घोष वर्ण - प्रत्येक वर्ग का 3,4,5 वर्ण + ड, ढ + य,र,ल,व,ह + सभी स्वर + अनुस्वार
घोष वर्ण - ट्रीक - 3,4,5 की घुस लेते ही सभी स्वरों को ड ढ के साथ नियम अनुसार अंदर कर दिया।
प्रत्येक वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण + सभी स्वर + ड ढ + अनुस्वार
(ii). श्वास वायु के आधार पर -
मुख्यतः दो प्रकार के होते है।
1) अल्पप्राण - प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवा वर्ण + ड़ा, र, ल, व + सभी स्वर
अल्प प्राण - ट्रीक -उल्प आयु में 1,3,5 का अन्त हुआ व ड़ के साथ सभी स्वर्ग गये।
अन्पप्राण में आने वाले व्यंजन - प्रत्येक वर्ग का पहला, तीसरा, पाँचवाँ वर्ण + अंतःस्थ व्यंजन + ड सभी स्वर
2) महाप्राण - प्रत्येक वर्ग का 2,4 वर्ण + ढ + श, ष, स, ह
महाप्राण -महाम 2,4 घण्टे ढका रहने से उष्मा बढ़ती है।
महाप्राण में आने वाले वर्ण - प्रत्येक वर्ग का 2 व 4 वर्ण, + उष्म वर्ण (श,ष,स) + ह वर्ण)
(iii). उच्चारण के आधार पर -
इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है।

1) स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
2) स्पर्श संघर्षी व्यंजन (4) - च, छ, ज, झ
3) संघर्षी व्यंजन (4) - श, ष, स, ह
4) नासिक व्यंजन (5) - ङ, ञ, ण, न, म
5) उत्क्षिप्त व्यंजन (2) - ड़, ढ़
6) प्रकंपित व्यंजन (1) - र
7) पार्श्विक व्यंजन (1) - ल
8) संघर्षहीन व्यंजन (2) - य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य "वर्ण विचार" से संबंधित)
- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के निाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

समानाक्षर स्वर	संधि स्वर
(i) आ - अ + अ	ए - अ + इ
(ii) ई - इ + इ	ऐ - अ - ए
(iii) ऊ - उ + उ	औ - अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ - क़रीब
ख़ - ख़ाना
ग़ - ग़म
ज़ - ज़रा
फ़ - फ़न फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (ॉ)
जैसे - कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अंग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान "शिवप्रसाद सितारे हिंद" को जाता है।

(2) काकल वर्ण के अन्तर्गत है, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।

- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है ।
- उच्चारण स्थानों के अलावा शरीर के वे अंग जा उच्चार करनें में सहायक हो करण कहलते हैं । इसकी कुल संख्या चार होती है ।
  (1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ) (3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है ।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है । क्योंकि इन वर्णो को न तो स्वरों में जोडा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है ।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें को पश्चियक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खडी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खडी पाई हटा दी जाती है । उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है ।
  जैसे- विद्या, पाठ्य, अपराह्न, पट्टा आदि ।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है ।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है ।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है ।
4. ईषत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है ।
5. ईषद्विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (श, ष, स, ह)
6. स्क्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

ध्यान दें – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ग होते हैं ।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें ।

स्वर	व्यंजन	कुल
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड., ढ. + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	.क .ख .ग .ज .फ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं ।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्द्धा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं ।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, झंड.डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है ।
  जैसे – पढाई, लडाई, सड.क, पकड.ना, ढूँढना आदि ।

रकार/रेफ या र संबंधि नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है ।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात् , पुनर्जन्म, पुर्निमाण, आशीर्वाद ।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है ।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

शब्दकोश (शब्द क्रम निर्धारण)

- शब्दों के संग्रह को ही शब्दकोश कहते हैं।
- शब्दकोश में शब्दों का इस प्रकार संग्रह किया जाता है कि उनका एक निश्चित क्रम बना रहे।
- शब्दकोश में शब्दों को लिखने वाले को हिन्दी वर्णमाला का गंभीर ज्ञान होना आवश्यक है। उसे शब्दों के उच्चारण तथा किसी शब्द में प्रयुक्त वर्गों के क्रम का भी स्पष्ट ज्ञान होना जरूरी हैं।

1. शब्दकोश में सबसे पहले अं/अँ, अः (बिन्दु, चन्द्रबिन्दु) से शुरु होने वाले शब्दों को रखा जाता है।
   जैसे – अंबर, अलख
   अंबर – अं + व् + अ + र् + अ
   अलख – अ + ल् + अ + ख् + अ
2. अं/अँ के बाद अन्य स्वर वर्ण आते हैं।
   जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
3. स्वरों के बाद व्यंजन आते हैं।
4. क्ष, त्र, ज्ञ संयुक्त व्यंजन है इनमें इन वर्णों का उद्‌भव निम्न वर्णों के मिलन से हुआ है–
   क्ष – क् + ष् + अ
   त्र – त् + र् + अ
   ज्ञ – ज् + ञ् + अ
   श्र – श् + र् + अ
   अतः क्ष का स्थान 'क' के बाद त्र का स्थान 'त' के बाद ज्ञ शब्द को 'ज' के बाद रखा जाता है।
   व श्र को ष के बाद क्रम दिया गया है।

क	क्ष	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	ज्ञ	झ	ञ
ट	ठ	ड(ड़)	ढ(ढ़)	ण	
त	त्र	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म	
य	र	ल	व		
श	श्र	ष	स	ह	

- ड़ को ड के बाद व ढ़ को ढ के बाद क्रम स्थान दिया गया है।
- र की मात्रा वाले अक्षरों को उच्चारण के अनुसार रखा जाता है। जैसे–'र्क' 'कृ' 'क्र'
- मानक शब्दकोश के अनुसार दूसरे अक्षर का क्रम निम्न प्रकार से होता है।
  अं/अँ अक, अख, अग, अघ ..... अह।

उपर्युक्त क्रम के बाद प्रथम अक्षर पर मात्रा वाले शब्दों का क्रम रहता है। का, कि, की, कु , कू। मात्राओं के बाद संयुक्त अक्षर अपने क्रम के अनुसार आते हैं। जैसे– क्क, क्ख, क्त, ...।

1. अंक, आँख, अहि, अंकित, अक्ष, अक्षर, अमन, अतुल, अनिल शब्दों का सही क्रम निर्धारण होगा।

अंक –	अं + क् + अ	1
आँख –	आं + ख् + अ	9
अहि–	अ + ह् + इ	8
अंकित –	अं + क् + इ + त् + अ	2
अक्ष –	अ + क् + ष् + अ	3

अक्षर –	अ + क् + ष् + अ + र् + अ	4
अमन –	अ + म् + अ + न् + अ	7
अतुल –	अ + त् + उ + ल् + अ	5
अनिल –	अ + न् + इ + ल् + अ	6

व्याख्या

सबसे पहले अनुस्वार वर्ण (अं) को शब्दकोश कर्म में रखा जाता है तो अंक, अंकित शब्द आएंगे पर इनमें से निर्धारण करने पर अंक (अ + क् + अ) से बना है अंकित (अं + क् + इ + त् + अ) से बना है तो अंक में क् + के बाद अ होने पर पहले व अंकित में अं के बाद इ के आनें से अंकित बाद में आता है। इसके बाद अक्ष, अक्षर शब्द आयेंगें क्योंकि अक्ष शब्द (अ + क् + ष् + अ) से बना है इसके बाद क्रमशः वर्णों के अनुसार अतुल, अनिल, अमन, अहि, आँख शब्द आएंगें।

निर्धारण

अंक ⟶ अंकित ⟶ अक्ष ⟶ अक्षर ⟶ अतुल ⟶ अनिल ⟶ अमन ⟶ अहि ⟶ आँख होगा।

2. करम, कृषि, कर्म, कातर, क्रम, क्या, कुकर, केला, कोरम का क्रमशः स्थान होगा –

करम–	क् + अ + र् + अ + म् + अ	1
कृषि–	क् + ऋ + ष् + इ	5
कर्म–	क् + अ + र् + म् + अ	2
कातर–	क् + आ + त् + अ + र् + अ	3
क्रम–	क् + र् + अ + म् + अ	9
क्या–	क् + य् + आ	8
कुकर–	क् + उ + क् + अ + र् + अ	4
केला–	क् + ए + ल् + आ	6
कोरम–	क् + ओ + र् + अ + म् + अ	7

सही क्रम

करम ⟶ कर्म ⟶ कातर ⟶ कुकर ⟶ कृषि ⟶ केला ⟶ कोरम ⟶ क्या ⟶ क्रम

3. विश्राम, अँधेरा, प्रेम, पृष्ठ, कर्ता, कर्त्तव्य, उत्कंठा, क्षमा, त्रिया, समीप को क्रमशः रखो।

विश्राम –	व् + इ + श् + र् + आ + म् + अ	9
अँधेरा –	अँ + ध् + ए + र् + आ	1
प्रेम –	प् + र् + ए + म् + अ	8
पृष्ठ –	प् + ऋ + ष् + ठ् + अ	7
कर्ता –	क् + अ् + र् + त् + आ	3
कर्तव्य –	क् + अ + र् + त् + व् + य् + अ	4
उत्कंठा –	उ + त् + क् + अं + ठ् + आ	2
क्षमा –	क् + ष् + अ + म् + आ	5
त्रिया –	त् + र् + इ + य् + आ	6
समीप –	स् + अ + म् + ई + प् + अ	10

सही क्रम

अँधेरा ⟶ उत्कंठा ⟶ कर्ता ⟶ कर्त्तव्य ⟶ क्षमा ⟶ त्रिया ⟶ पृष्ठ ⟶ प्रेम ⟶ विश्राम ⟶ समीप

निम्न में से सबसे पहले आने वाला शब्दकोशीय शब्द है।

उद्योग, उधार, उदबुद्ध, उपकार

उद्योग –	उ + द् + य् + ओ + ग् + अ	2
उधार –	उ + ध् + आ + र् + अ	3
उदबुद्ध –	उ + द् + अ + ब् + उ + द् + ध् + अ	1
उपकार –	उ + प् + अ + क् + आ + र् + अ	4

सही क्रम

(सबसे पहले) उदबुद्ध ⟶ उद्योग ⟶ उधार ⟶ उपकार (सबसे बाद में)

निम्न में से कौनसा शब्द सबसे अन्त में आएगा।

निर्दोष, निष्पक्ष, निष्ठुर, निर्दय

निर्दोष –	न् + इ + र् + द् + ओ + ष् + अ	2
निष्पक्ष –	न् + इ + ष् + प् +अ + क् + ष् + अ	4
निष्ठुर –	न् + इ + ष् + ठ् + उ + र् + अ	3
निर्दय –	न् + इ + र् + द् + अ + प् + अ	1

सही क्रम

निदर्य (1) ⟶ निर्दोष (2) ⟶ निष्ठुर (3) ⟶ निष्पक्ष (4)

संधि

संधि का अर्थ–मिलान
संधि की परिभाषा

- दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है वह संधि कहलाता है अर्थात् जब दो ध्वनियाँ आपस में मिलती है तो उसमें रूपान्तर आ जाता है, तब संधि कहलाती है।

  जैसे –

प्रत्येक	–	प्रति + एक
विद्यालय	–	विद्या + आलय
जगदीश	–	जगत + ईश
आशीर्वाद	–	आशीः + वाद

संधि का परिभाषा

कामता प्रसाद के अनुसार

दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास–पास आने के कारण उनके मेल से विकार होता है, उसे संधि कहते है।

किशोरीदास वाजपेयी के अनुसार

जब दो या दो से अधिक वर्ण पास–पास आते हैं तो कभी–कभी उसमें रूपान्तर आ जाता है वह संधि कहलाती है।

संधि विच्छेद

- वर्णों के मेल से उत्पन्न ध्वनि परिवर्तन को ही संधि कहते है। परिणामस्वरूप उच्चारण एवं लेखन दोनों ही स्तरों पर अपने मूल रूप से भिन्नता आ जाती है। अतः वर्णों/ध्वनि को पुनः मूल रूप में लाना ही संधि विच्छेद कहलाता है।

जैसे–	वर्ण	+	मेल	=	संधि युक्त शब्द
	रमा	+	ईश	=	रमेश
	आ	+	ई	=	ए

- यहाँ (आ + ई) दो वर्णों के मेल से विकार स्वरूप 'ए' ध्वनि उत्पन्न हुई और संधि का जन्म हुआ। संधि विच्छेद के लिए पुनः मूल रूप में लिखना चाहिए।

जैसे–	शुभ	+	आगमन	–	शुभागमन
	सत्	+	आचरण	–	सदाचरण
	निः	+	ईश्वर	–	निरीश्वर

- संधि के तीन भेद होते है–
  1. स्वर संधि
  2. व्यंजन संधि
  3. विसर्ग संधि

1. **स्वर संधि**

   स्वर से स्वर का जब मेल होता है तो उसमें विशेष विकार की स्थिति के उत्पन्न होनें को ही स्वर संधि कहा जाता है।

   जैसे– विद्यार्थी – विद्या + अर्थी

English

NOUN (संज्ञा)

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun कहते हैं ।
- यह पांच प्रकार की होती हैं :–

1. **Proper Noun** (व्यक्तिवाचक संज्ञा) – जब व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो ।
   Eg:- Ram, Delhi, Gita etc.

2. **Common Noun** (जातिवाचक संज्ञा) – जब एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो ।
   Eg:- King, Boy, City, Girl etc.

3. **Collective Noun** (समूहवाचक संज्ञा) – जब समूह का बोध हो हैं ।
   Eg:- Team, Herd, Committee, Army etc.

4. **Material Noun** (द्रव्यवाचक संज्ञा) – जब ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बनायी जा सके ।
   Eg:- Gold, Silver, iron, wood etc.

5. **Abstract Noun** (भाववाचक संज्ञा) – जब ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था का बोध हो जिन्हे छुआ नहीं जा सके केवल महसूस किया जा सकता है ।
   Eg:- Honesty, Virtue, Kindness, Jealous etc.

Important Point

1. कुछ Noun ऐसे होते है जो देखने में Plural लगते है परंतु अर्थ में Singular होते है ।
   Suchas - Civics, Mathematics, Edictics, Politics, Economics, Mumps, Billiards, Athletics etc.
   Eg:- Civics is a good subject.

2. कुछ Noun देखने में singular लगते हैं अर्थ में Plural होते हैं ।
   Suchas – Cattle, Gentry, Peasantry (किसानी), Poultry (मुर्गीफॉर्म), Clergy (पादरी लोग) etc.
   Eg:- Cattle are grazing in the field.

3. कुछ शब्द जैसे– Committee, Audience, Police, team, mob (भीड) देखने में Singular लगते हैं but अर्थ में Plural होते हैं ।

4. कुछ Noun का Use Singular form में किया जाता है ये Uncountable Noun होते हैं ।
   Such as :- Scenery, Furniture, information, advice, poetry, luggage, luck, language, business, knowledge, money, Jewelry.
   Eg :- He gave me information's (information).
   I like Shakespeare poetries (Poetry).

5. कुछ Noun Singular व Plural दोनों में Use होते है ।
Such as :- Dear, Fish, Crew, Family, team, counsel (परामर्श)

6. यदि किसी Noun से पूर्व Preposition आता है तो वह Singular noun होता है ।
Eg:- Ship after ship is coming.

7. कुछ noun ऐसे होते है जिनमें 'S' लगाने से उनका अर्थ बदल जाता है ।
Such as: - Water – Waters (समुद्र)
People – Peoples (बहुत से राष्ट्र)
Iron – irons (बेडिया)
Physics (भौतिकी) – Physic (दवा)

Eg:- your physics is(are) poor.

8. Dozen (दर्जन), Gross, score, hundred, thousand, Million (10 Lac), Billion (100 Lac), Weight, stone, pair, units में एक जैसा प्रयोग होता है अर्थात् Singular or Plural दोनो में प्रयोग होता है ।
Eg:- I have bought two dozens (Dozen) pencils.

9. 'ICS' ending noun के पहले 'The' अथवा possessive, adjective, my, your, our का प्रयोग होने पर इनका अर्थ बदल जाता है अतः ये plural noun के रूप में बदल जाते है ।
Eg.:- My mathematics are not very good.

10. (i) Cloths – बिना सिले हुए
Clothes – सिले हुए
(ii) Cost - कीमत
Prize – कीमत

- Cost का use amount of paid by the shopkeeper के अर्थ में होता है ।
- जबकि prize का अर्थ Amount Paid by costumers के रूप में होता है ।

Eg :- The prize of production of automobile items has gone up. (The cost of)
Eg :- Sometimes buyers (खरीदने वाला) have to play higher costs for items. (Higher prize)

11. 'House' का प्रयोग A building to live in के अर्थ में करते है ।
Eg :- Quarters are homes allotted for a definite period. (x)
Quarters are houses allotted for a definite period.

12. कुछ Nouns का प्रयोग Plural form में ही होता है। इनके अंतिम में लगे 'S' को हटाकर singular नहीं बनाया जा सकता है।
Scissors, tongs, pliers, trousers, plants, pajamas, shorts, gallous, Spectacles, binoculars, alms, amends, fireworks, outskirts, particulars etc.
Eg:- All his assets were seized.
Alms are given to the beggars.

13. Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural noun में नहीं होता है ।

Eg :- He gave me two hundred rupees notes. (×)
He gave me two hundred rupee notes. (✓)
He stays in five stars hotels. (×)
He stays in five star hotels. (✓)

14. Common Gender Nouns जैसे– teachers, student, child, clerk, advocate, worker, writer, leader, musician etc. dual gender noun होते है । इनके साथ सामान्यतयाः he/his/him प्रयोग करते हैं ।

Eg :- Every leader should perform his duty.
A teacher should perform his duty sincerely.

15. कुछ nouns के singular एवं plural forms के अर्थ पूर्णतया अलग होते हैं, अतः इनका प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए ।

Eg :-

Singular	Meaning	Plural	Meaning
Air	(हवा)	Airs	(दिखावटी व्यवहार)
Return	(वापसी)	Returns	(आय का हिसाब)
Iron	(लोहा)	Irons	(जंजीरे)
Sand	(रेत)	Sands	(रेगिस्तान)
Wood	(लकडी)	Woods	(जंगल)
Abuse	(दुरूपयोग)	Abuses	(कुरूतियाँ)
Good (adj.)	(अच्छा)	Goods	(सामान)
Water	(पानी)	Waters	(समुद्र)
Work	(काम)	Works	(साहित्य लेख)
Fruit	(फल जैसे सेब इत्यादि)	Fruits	(नतीजा) (मेहनत इत्यादि का)
Wit	(वाक्पटुता)	Wits	(बुद्धिमता)

Some Important Collective Noun :-

बाल का समूह - Turp of hair
गुथे बालों का समूह - Shock of hair
स्त्रोताओं की मण्डली - As assembly of listeners
न्यायाधीशो की मण्डली - Bench of Judge
कूडे–कचरे का ढेर - heap of rubbish
मुर्गी के बच्चों का समूह - flock of chickens
सोने का ढेर - hoard of gold
राज्यों का संगठन - league of states
अनाजों का ढेर - A sheaf of grains
हथियारों का ढेर - Piles of arms

अध्ययन का पाठ्यक्रम	-	A syllabus of studies
सैनिकों का समूह	-	Regiment of soldier
दीमकों का झुंड	-	A colony of termite

Collection of people:-

A board of trustees.	(विश्वासपात्रों की मंडली)
A board of examiners.	(परीक्षकों की मंडली)
A brigade of cavalry.	(घुड़सवार सैनिकों का दल)
A brigade of infantry.	(पैदल सैनिकों का दल)
A brigade of artillery.	(आग्नेयास्त्र चलाने वाले सैनिकों का दल)
A batch of pupils.	(शिष्यों का समूह)
An assembly of representatives.	(प्रतिनिधियों की मंडली)
A caravan of pilgrims.	(तीर्थयात्रियों का काफिला)
A caravan of merchants.	(व्यापारियों का कारवाँ)
A bench of judges.	(न्यायाधीशों की मंडली)
A circle of friends.	(मित्रों की मंडली)
A circle of acquaintances.	(परिचितों की मंडली)
A clique of schemers.	(उपाय रचने वालों की मंडली)
A colony of people.	(लोगों की नई बस्ती)
A company of actors.	(अभिनेताओं की मंडली)
A company of merchants.	(व्यापारियों की मंडली)
A concourse of people.	(लोगो का समूह)
A conference of preachers.	(उपदेशकों का सम्मेलन)
A conference of delegates.	(प्रतिनिधियों का सम्मेलन)
A congregation of pilgrims.	(तीर्थयात्रियों का समुदाय)
A congregation of worshippers.	(उपासकों का समुदाय)
A congress of representatives.	(प्रतिनिधियों की सभा)
A congress of delegates.	(प्रतिनिधियों की सभा)
A contingent of army personnels.	(थल सैनिकों का दल)
A contingent of boy scouts.	(स्काऊट के लडकों का दल)
A corporation of people.	(लोगों की मंडली)
A corps of volunteers.	(स्वयंसेवकों का समूह)
A multitude of people.	(लोगों की भीड)
A muster of troops.	(सैनिकों का दल)

Collection of animals, birds and insects :-

A troop of lions.	(शेरों का झुंड)
A troop of monkeys.	(बंदरों का झुंड)
A train of donkeys.	(गधों का समूह)
A team of horses.	(घोडों का समूह)
A team of oxen.	(बैलों का झुंड)
A swarm of flies.	(मक्खियों का झुंड)
A swarm of bees.	(मधुमक्खियों का झुंड)
A swarm of locusts.	(टिड्डों का झुंड)
A stud of ponies.	(छोटे घोडों का झुंड)
A stud of horses.	(घोडों का झुंड)

Some Important Abstract Noun

Adjective	Abstract Noun	Verb	Abstract Noun
Able	Ability	Belong	Belongings
Brief	Brevity	Allow	Allowance
Careful	Carefulness	Accede	Access
Capable	Capability	Admit	Admission
Efficient	Efficiency	Attend	Attendance
Faithful	Faithfulness	Choose	Choice
Hard	Hardship	Carry	Carriage
Excellent	Excellence	Consume	Consumption
Curious	Curiosity	Deceive	Deceit
Careless	Carelessness	Practice	Practice
Busy	Business	Behave	Behavior
Active	Activity	Arrive	Arrival

Verb	Abstract noun	Verb	Abstract noun
Please	Pleasure	Speak	Speech
Pay	Payment	Perform	Performance
Offend	Offence	Oblige	Obligation
Obey	Obedience	Narrate	Narration
Mix	Mixture	Marry	Marriage
Maintain	Maintenance	Lose	Loss
Laugh	Laughter	Know	Knowledge

Noun and gender:-

Gender –

Masculine – Poet, horse, fox

Feminine – Poetess/ Mare/ Vixen

Neuter – Chair, Pen

Common – Friend/ Student

Masculine	**Feminine**
Tutor (निति शिक्षक)	Governess (निति शिक्षिका)
Nephew (भतीजा)	Niece (भतीजी)
Groom (दुल्हा)	Bride (दुल्हन)
Wizard (जादूगर)	Witch (जादुगरनी)
Lover (प्रेमी)	be loved (प्रेमीका)
Lord (स्वामी)	Lady
Gander (हंस)	Goose (हंसीनी)

- कुछ शब्दों को Feminine मानते है अतः इसके साथ Pronoun Her, Hers, She या herself लगाते है।

  Such as: - The moon, The earth, Nature, Spring, Virtue, Charity, mercy, peace, ship, river, nation, fame, city, liberty.

  Eg :- The moon shed <u>its</u> (her) light on the bank.
  Love virtue <u>it</u> (she) is alone free.

- The Sun, time, death, wind, Summer, thunder, Ocean, love, war, wine को masculine माना जाता है इनके साथ He, his, him, himself का Use करते है।
  Eg :- Death lays her (his) icy hand or king.

- Everything, something, anything, nothing, indefinite pronoun है ये neuter gender को प्रकट करते है ।
  Eg :- Everything should be kept in his (its) order.
  This is Mohan's Pen. (यह मोहन का पेन है ।)
  This is the door of the house. (यह घर का दरवाजा है ।)
  This is Girl's college. (यह लडकियों का विद्यालय है ।)

- यदि दो noun and से जुडे हो तो उनके बीच close relation ना हो तो दोनों nouns के (अलग–अलग अधिकार के अर्थ में) साथ Apostrophe's का प्रयोग करते है।
  Eg:- Mohan's and Sohan's house. (मोहन का घर और सोहन का घर ।)

  Note :- यदि सम्मिलित अधिकार की बात है तो last noun के साथ Apostrophe's लगाते है ।
  Eg:- Mohan and Sohan's house.

PRONOUN

- Noun के बदले प्रयुक्त होने वाले शब्द को Pronoun कहते हैं ।
- Noun के repetition से बचने के लिए ही pronoun का प्रयोग किया जाता है ।
- **Pronoun** के प्रकार
  1. Personal Pronoun(पुरूषवाचक सर्वनाम) - I, me, we, us, you, he, him, she, etc.
  2. Relative Pronoun (संबंधवाचक सर्वनाम) - Who, whom, whose, which, that etc.
  3. Interrogative Pronoun (प्रश्नवाचक सर्वनाम) - Who, what, whom, whose, where, etc.
  4. Reflexive Pronoun (निजवाचक सर्वनाम) - Myself, ourselves, yourself, yourselves, etc.
  5. Emphatic Pronoun (दृढता वाचक सर्वनाम) - Myself, yourself, himself, herself etc.
  6. Demonstrative Pronoun (संकेतवाचक सर्वनाम) - This, that, these, those etc.
  7. Reciprocal Pronoun (परस्पर सूचक सर्वनाम) - Each other, one another etc.
  8. Distributive Pronoun (विभागबोधक सर्वनाम) - Each, either, neither, every, none etc.
  9. Indefinite Pronoun (अनिश्चित सर्वनाम) - Everybody, somebody, someone, no one, much, few, little etc.
  10. Exclamatory Pronoun (विस्मयादिबोधक सर्वनाम) - What! etc.
  11. Possessive Pronoun (अधिकारवाचक सर्वनाम) - Mine, ours, yours, his, hers etc.

- **Personal Pronoun** :- वे pronoun जो तीनों persons (1,2,3) में होते हैं ।

Persons	Subjective Case	Objective Case
1st person	I	Me
	We	Us
2nd person	You	You
3rd person	He	Him
	She	Her
	It	It
	They	Them

- **Relative Pronoun** :- वे pronoun जो अपने पहले प्रयुक्त nouns या noun equivalent words से संबंध बताते हैं तथा दो sentences को जोडने का कार्य करते हैं, Relative Pronoun कहलाते हैं । (Who, which, that, whom, whose etc.)

Ex :- I met Veena, who was returning from school.
(R.P.)
The pen that my father gave writes well.

- **Interrogative Pronoun :-** वे pronoun जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त होते हैं ।
  जैसे– (What, who, where, whose, which)
- **Reflexive Pronoun**:- जब वाक्य में 'स्वयं', खुद ही, खुद को, अपने आप जैसे शब्दों का प्रयोग हो तब Reflexive Pronoun का use होता है ।
  Ex :- The poor man poisoned himself and his children.
- **Emphatic Pronoun** :- यदि sentence में प्रयुक्त verb से पूर्व Myself, himself, yourself, itself आये तो Emphatic होता है और बाद में आये तो Reflexive Pronoun होता है ।
  Ex :- I myself did it. (Emphatic)
  I did it myself. (Reflexive)
- **Demonstrative Pronoun :-** This/that/these/those, such, the same.
- **Reciprocal Pronoun :-** Each other/one another.
  दो के बीच परस्पर शब्द की अंग्रेजी – Each other
  दो से अधिक के लिये – One Another
  Ex:- Ram and Sohan quarrel each other. (✓)
  Four sons quarrel one another. (✓)
- **Distributive Pronoun:-** Each, either, neither
- **Indefinite Pronoun :-** Somebody, anybody, everybody, nobody, anyone, all.
- **Exclamatory Pronoun: -** What!

Uses of Pronouns

1. Personal Pronoun

(i) जब विभिन्न Pronoun एक ही sentence में प्रयुक्त हो तब–
बुरी बात का आभास न हो → 2 3 1
बुरी बात कही गयी हो → 1 2 3
Ex:- You, he and I shall study for the exam. (Good sense)
I, you and he have made a blunder. (Bad sense)

(ii) Let, like, between, but, except एवं preposition के बाद objective case का प्रयोग होता है ।
Ex:- Let me do this work.
My daughter looks like me.